स्नातक खण्ड-3
हिन्दी प्रतिष्ठा
पंचम पत्र

प्रश्न 1 नागार्जुन लिखित 'अकाल और उसके बाद' शीर्षक कविता का भाव स्पष्ट करें।

उत्तर - बाबा नागार्जुन अपने व्यक्तित्व और रचनाधर्मिता के आधार पर आधुनिक युग के कबीर माने जाते है। ये स्वाधीन भारत के प्रतिनिधी जनकवि हैं।

प्रस्तुत कविता 'अकाल और उसके बाद' प्राकृतिक त्रासदी के लोकोत्तर प्रभाव को रेखांकित करनेवाली एक यथार्थवादी कविता है।

कवि मानते हैं कि अकाल त्रासद होता है। इसका असर दूर दूर तक होता है। निर्बल और असहाय प्राणी के लिए यह विवशता की अन्तिम अवस्था के समान है। कवि कहते हैं कि जब भी कोई क्षेत्र अकालग्रस्त होता है तो जन के घरों के चूल्हे रोते प्रतीत होते है, छिपकलियाँ और चूहे भी निराहार रहने को विवश हो जाते है।

कई दिनों के बाद दाने आने पर हर प्राणी की आँखें

चमक उठी है।

वस्तुतः प्रस्तुत कविता भारतीय समाज में व्याप्त शोषण का खुला चित्र है।

प्रस्तुत कविता छोटी लेकिन मार्मिक है। जीवन यथार्थ की नग्न तस्वीर है। कविता यहाँ कवि का व्यंग्य कबीर की तरह ही पैना, उद्देश्यपरक और सामाजिक है। वस्तुतः इनकी प्रस्तुत कविता काव्यमता से कोसों दूर है। निःसंदेह लोक चेतना से जुड़ी यह एक तेवर यथार्थवाद कविता है।

— × —